मुहाजिर हैं मगर हम एक दुनिया छोड़ आए हैं, तुम्हारे पास जितना है हम उतना छोड़ आए हैं

हाल ही में लम्बी ग़ज़ल वाली किताब मुहाजिरनामा पढ़ डाली । उनकी किताब 'शहदाबा' के लिए उन्हें उर्दू भाषा का साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया। वाणी प्रकाशन से छपी इस किताब में उनकी करीब 30 ग़ज़लें, 40 नज़्में और एक गीत है। अपने अंदाज़ का बाँकपन बरक़रार रखते हुए मुनव्वर फिर बोले, खराब खाना और खराब शायरी बर्दाश्त नहीं कर सकता।

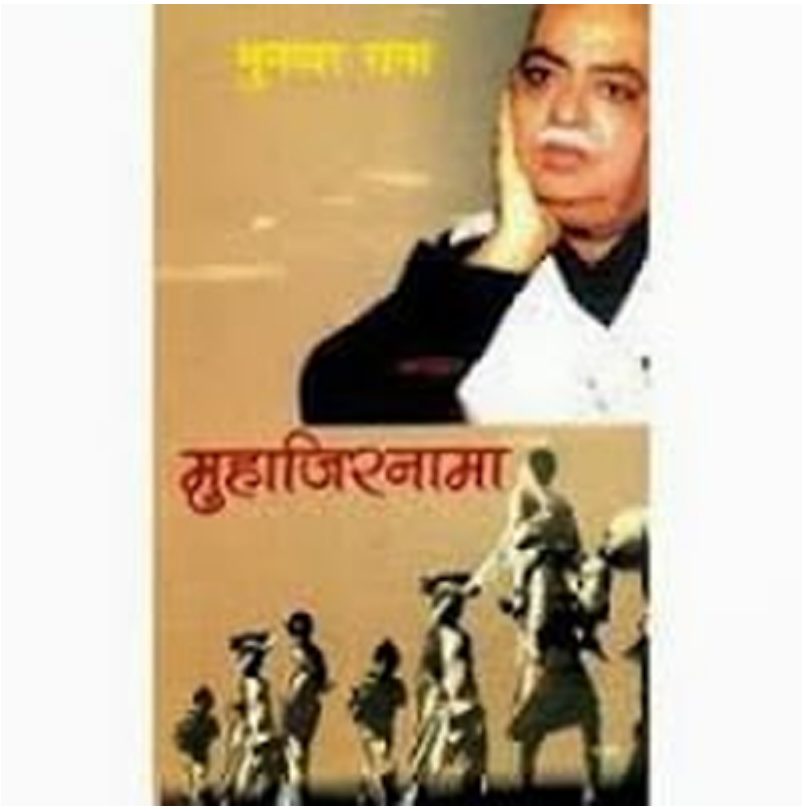

उर्दू के लिए जावेद अख्तर और हिंदी के लिए मृदुला गर्ग को यह पुरस्कार मिल चुका है। उर्दू अदब में कृष्ण कुमार तूर, खलील मामून, शीन काफ निजाम, गुलजार, बशीर बद्र, निदा फाजली और कैफी आजमी जैसे दिग्गज इस सम्मान की शोभा बढ़ा चुके हैं। उर्दू का पहला साहित्य अकादमी पुरस्कार 1955 में जफर हुसैन खान को मिला था। पेश हैं मुनव्वर की जिंदगी के रदीफ-काफिये – सबसे पहले ये रहे शहदाबा से कुछ शेर –

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

और लीजिये पढ़िए राणा साहब की बुनियादी फितरत का बयां करती एक लाज़वाब ग़ज़ल –

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

ये रही मुहाजिरनामा की चर्चा जिसे इस लेख के शुरूआत में मैंने जानबूझकर कुछ देर तक मुल्तवी कर रखा था। तो बात ऐसी है कि सन 1947 की कड़वी यादों ने कुछ लोगो को ताउम्र के लिए आंसू दिए जिनमे उनके अपने सीमा पर कर नए मुल्क, नयी आज़ादी की उम्मीद में पाकिस्तान में चले गए परन्तु वहा उनको अपनापन नहीं मिला। भारत से गए इन लोगों को वहा मुहाजिर (निर्वासित) का नाम दिया गया। मशहूर शायर मुनव्वर राना ने उनके इस दर्द को अपने अल्फाज़ दिए है, कहा जाता है की ये ‘मुहाजिरनामा’ उन्होंने अपने किसी सम्बन्धी से प्रेरित होकर लिखा था जो कुछ दिन बाद भारत यात्रा पर वापस आये थे। तो कुछेक शेर मुलाहिज़ा फरमाइए –

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

□□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□,
□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□ ।

□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□,
□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□ ।

अंत में रिश्तों के सरोकार को आवाज़ देते मुनव्वर साहब के कुछ अशआर और साझा कर लूँ तो कोई बात बने –

□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□,
□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□, □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□

□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□,
□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□,

□□□ □□ □□ □□□□ □□□-□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□,
□□ □□ □□□□□□ □□ □□ ? □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□

□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□,
□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□, □□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□

□□□□ ? □□□□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□,
□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□,□□□ □□ □□□□□□□□□ □□

संपर्क – 9301054300